रेंज कार्यालय में कार्यरत का0 आशीष मिश्र द्वारा 3 वर्षो से अपनी ड्यूटी के साथ-साथ **#PoliceMitra** के नाम से रक्तदान की मुहिम चलायी जा रही है। इस मुहिम के द्वारा अब तक सैकड़ों जान बचायी जा चुकी है। इस पहल से प्रेरणा लेकर बिलासपुर रेंज के आईजी **@ipskabra** ने भी इस मुहिम की शुरुआत की है।।

दिनांक – 01.10.2020

पहल : उत्तरप्रदेश पुलिस की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी शुरू की गई पुलिस मित्र की पहल

खून की है जरूरत तो पुलिस मित्र के ट्विटर पेज पर मिलेगी मदद

◆ नवभारत रिपोर्टर। बिलासपुर.
www.navabharat.org

उत्तरप्रदेश की तर्ज पर अब बिलासपुर रेंज आईजी ने छत्तीसगढ़ पुलिस मित्र नाम से एक नई पहल की शुरुआत की है. इसके जरिए जरुरतमंदों को हर समय खून उपलब्ध कराया जा रहा है. इसके लिए आईजी दीपांशु काबरा ने ट्वीटर में सीजी पुलिस मित्र 1 नाम से पेज तैयार किया है, जिससे जुड़कर लोग एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं. आईजी काबरा के मुताबिक अगर किसी को रक्त की जरूरत है और नहीं मिल रहा है, तो परेशान न हों. छतीसगढ़ पुलिस मित्र के ट्वीटर पेज पर जाएं और अपनी परेशानी बताएं. तुरंत ही पुलिस मित्र की तरफ से रक्त उपलब्ध कराया जाएगा. इसके अलावा अगर आप रक्त दान के भी इच्छुक हैं तो इस वेबसाइट पर जाकर पुलिस मित्र ग्रुप में रक्त दान कर सकते हैं. आईजी की इस पहल से लोगों को फायदा हो रहा और जरुरतमंदों की जान बचाई जा रही है. ज्ञात हो कि उत्तरप्रदेश में यूपी पुलिस मित्र नाम से अभियान चल रहा है, जिसके जरिए जरुरतमंदों को समय पर रक्त मुहैया कराया जाता है.

सामाजिक संस्थाएं भी जुड़ने लगी छत्तीसगढ़ पुलिस मित्र से

छत्तीसगढ़ पुलिस मित्र की पहल से कई पुलिस कर्मी, महिलाएं और दूसरे लोग भी जुड़े हैं. यह ग्रुप लोगों को जरूरत पर रक्त उपलब्ध कराता है साथ ही रक्तदान के लिए भी लोगों को प्रेरित करता है. इस ग्रुप में कई जिले के पुलिस अफसर, सिपाही, रक्तदाता, सामाजिक कार्यकर्ता जुड़े हैं. इस ग्रुप ने जरूरतमंदों को खून की मदद कर अब तक कई लोगों की जान भी बचाई है.

पुलिस मित्र (@CGPolicemit...
10 Tweets
Tweets | Tweets & replies | Media | Likes
पुलिस मित्र (@CGPolicemitra) retweeted
Dipanshu Kabra @ipskabra · 2d
रक्त का कोई विकल्प नहीं है. ज़रूरत पड़ने पर किसी को रक्त उपलब्ध हो इस के हेतु हमने @UpPolicemitra से प्रेरणा लेते हुए @CGPolicemitra1 की शुरुआत की.
किसी ज़रूरतमंद व्यक्ति को बचाने के लिए रक्तदान करें. आप सभी से विनम्र अपील है कि इससे जुड़ें, तथा सभी साथियों से शेयर करें.

जल्द ही व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए भी मिल सकेगी मदद

सोशल मीडिया के जरिए आईजी काबरा ने एक नई पहल की है. अपनी ड्यूटी के साथ-साथ मानवता का फर्ज निभाने वाले पुलिस के जवान इससे जुड़ रहे हैं और उन नागरिकों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं, जिन्हें खून की जरूरत है. ट्वीटर के साथ-साथ जल्द ही सोशल मीडिया के अलग-अलग माध्यमों से भी पुलिस मित्र को जोड़ा जाएगा और हो सके तो वेबसाइट भी जारी की जाएगा, ताकि हर एक व्यक्ति इससे जुड़ सके.

रक्त का कोई भी विकल्प नहीं

रक्त का कभी कोई विकल्प नहीं हो सकता है. जरूरत पड़ने पर किसी को रक्त उपलब्ध हो, इसके लिए यूपी पुलिस मित्र से प्रेरणा लेकर सीजी पुलिस मित्र 1 की शुरुआत की गई है. जरूरतमंद व्यक्ति को बचाने रक्तदान जरुर करें. सभी से अपील है कि इससे जुड़ें और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इसे शेयर करें, ताकि लोगों की जान बचाई जा सके.

दीपांशु काबरा, आईजी, बिलासपुर रेंज

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

दान दिवस आज : आरक्षी आशीष कुमार मिश्र साढ़े तीन साल से रक्तदान के लिए चला रहे मुहिम

रक्तदान से दूसरों की जान बचा रहे आशीष

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

आमतौर पर पुलिस को लेकर नकारात्मक विचार आते हैं, लेकिन प्रयागराज में एक पुलिसवाला ऐसा भी है जिसने अपने काम से न केवल दूसरों की जिंदगी बचाई बल्कि पुलिस के प्रति लोगों का नजरिया भी बदला। यह पुलिसकर्मी है आईजी कार्यालय में तैनात आरक्षी आशीष कुमार मिश्र, जो करीब साढ़े तीन साल से रक्तदान की मुहिम चला रहे हैं। मूलरूप से मिर्जापुर के आशीष अब तक खुद 13 बार रक्तदान कर चुके हैं।

साथ ही दूसरों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और खून की जरूरत पूरा करने के लिए पुलिसमित्र नाम से अभियान चला रहे हैं। इस मुहिम के तहत अब तक दस बार रक्तदान शिविर लगाया जा चुका है। कुंभ मेले के दौरान तीन दिन तक रक्तदान शिविर लगाया।

स्वैच्छिक रक्तदान की मुहिम चला रहे आरक्षी आशीष कुमार मिश्रा।

वेबसाइट से कर रहे जागरूक

आरक्षी आशीष के अनुसार, रक्तदान के लिए प्रेरित करने के लिए 17 सितंबर को ६६६. सइ्र्र्३१. इ१के नाम से वेबसाइट भी लॉन्च की गई। स्वैच्छिक रक्तदान के लिए कोई भी वेबसाइट के माध्यम से संपर्क कर सकता है। साथ ही अगर किसी को ब्लड की जरूरत है तो वह भी संपर्क कर सकता है। जांच के बाद उसकी मदद की जाती है।

कई बार हो चुके सम्मानित

राज्य सरकार व पुलिस महकमे की ओर से आशीष को कई बार सम्मानित भी किया गया है। इसके अलावा बिह में भी सम्मानित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस दौरान कई विदेशी मेहमान भी मौजूद रहे थे।

पुलिस की छवि बदलने का प्रयास

आशीष रक्तदान शिविर लगाकर पुलिस की छवि बदलना चाहते है। कहते हैं पुलिस को लोग अलग नजर से देखते हैं। यही सोच को बदलने के लिए वह पुलिसमित्र के जरिए ऐसा कर रहे हैं रक्तदान से बढ़कर और कोई मदद न हो सकती है।